जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

20 अक्टूबर 2022

प्रेस विज्ञप्ति

# जामिया और कील यूनिवर्सिटी, यूके ने किया मीडिया एडवोकेसी कैम्पेन "द वायु सागा" का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एम.ए. डेवलपमेंट कम्युनिकेशन (बैच 2020-22), एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एजेके-एमसीआरसी) के छात्रों ने 18 अक्टूबर 2022 को एजेके-एमसीआरसी, जेएमआई और कील यूनिवर्सिटी, यूके की संयुक्त परियोजना के तहत विश्वविद्यालय की एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी में "टैकलिंग एयर पोल्यूशन इन द वर्ल्ड'स मोस्ट पोल्युटेड सिटी" पर मीडिया एडवोकेसी कैम्पेन का आयोजन किया। प्रोजेक्ट "स्टोरीटेलिंग फॉर एनवायरनमेंटल चेंज: एयर पॉल्यूशन इन द वर्ल्ड्स मोस्ट पोल्यूटेड सिटी" ब्रिटिश एकेडमी के ह्यूमैनिटीज इन सोशल साइंसेज के टैकलिंग ग्लोबल चैलेंज प्रोग्राम द्वारा फंडेड है, जो यूके सरकार के ग्लोबल चैलेंज रिसर्च फंड के तहत समर्थित है।

इस अभियान का उद्देश्य वायु प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डर्स को शामिल करके जागरूकता प्रसार के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन को डिजाइन करना और अमल में लाना था। डॉ. प्रगति पॉल सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर, एजेके-एमसीआरसी के अनुसार, "इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को प्रदूषण को कम करने और व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर प्रदूषण को रोकने के लिए कार्रवाई करने के तरीकों पर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार रणनीतियों का उपयोग करना है।"

वायु सागा दिल्ली के वायु प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए ग्रासरूट कॉमिक्स, फोटो बूथ, सोशल मीडिया, गेम और तस्वीरों जैसे मीडिया टूल्स के द्वारा भागीदारी संचार का लाभ उठाने वाला एक अनूठा मीडिया एडवोकेसी कैम्पेन है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ सिराजुद्दीन अहमद, अध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जामिया ने किया। प्रोजेक्ट टीम की ओर से डॉ. सबीना किदवई ने सभा को संबोधित किया। उद्घाटन और कार्यक्रम में चिंतन, लंगकेयर फाउंडेशन जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विकास संचार एवं विस्तार विभाग, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया।

कैम्पेन के पहले दिन से बैच के 21 छात्रों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के विज़ुअल रिप्रेजेंटेशन के साथ गैलरी को खोला गया। इस कार्यक्रम में एम.ए. डेवलपमेंट कम्युनिकेशन के छात्रों और जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा सचित्र

ग्रासरूट कॉमिक्स सीरीज़, "वायुनामा" का प्रदर्शन शामिल था। छात्रों द्वारा निर्मित रेडियो और वीडियो पीएसए की स्क्रीनिंग के साथ फोटोग्राफी प्रतियोगिता, "हाल-ए-दिल्ली" की तस्वीरें भी प्रदर्शित की गईं। कम्युनिटी गेम, "वायु हॉप" और फोटोबूथ, "तस्वीरें बोलती हैं" जैसी सहभागिता गतिविधियां प्रतिभागियों के बीच मुख्य आकर्षण थीं।

'स्टोरीटेलिंग फॉर एनवायर्नमेंटल चेंज' प्रोजेक्ट टीम की ओर से डॉ. सबीना किदवई ने कहा, "वायु सागा एक बेहद इनोवेटिव और इन्फोर्मेटिव कैम्पेन था। इसने वायु प्रदूषण के मुद्दे को एक ऐसी भाषा का उपयोग करके संबोधित किया जो युवा पीढ़ी को आकर्षित करती है। यह एडवोकेसी के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में सोशल मीडिया की शक्ति पर भी प्रकाश डालता है।

इस आयोजन में लगभग 800 लोगों का टर्नओवर देखा गया, जिसने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता में बदल दिया। "छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों का उपयोग करके इस अभियान की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में बहुत प्रयास किया है और अपने काम को महान सौंदर्य कौशल के साथ प्रदर्शित किया है। इस तरह का आयोजन करना एक बड़ी चुनौती है। समर्थन के लिए एमएफ हुसैन आर्ट गैलरी स्टाफ और जामिया प्रशासन को धन्यवाद", धर्मेंद्र अरोड़ा, विजिटिंग फैकल्टी, एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर ने कहा।

समापन समारोह शाम को हुआ और उसके बाद कैम्पेन शोरील की स्क्रीनिंग की गई। प्रोफेसर मोहम्मद कासिम, मानद निदेशक, एजेके-एमसीआरसी, जामिया ने सभा को संबोधित किया और इसके बाद सभी प्रतिभागियों और आयोजन दल के सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए। "वायु प्रदूषण विशेष रूप से दिल्ली के लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण समकालीन मुद्दों में से एक है। मुझे लगता है कि एम.ए. डेवलपमेंट कम्युनिकेशन के छात्रों ने एक अनुकरणीय मीडिया एडवोकेसी कैम्पेन को आगे बढ़ाया है। इसका समाज पर बहुत प्रभाव पड़ेगा", प्रो. कासिम ने कहा।

कैम्पेन ईमानदारी से समर्पण के साथ शुरू हुआ और महत्वपूर्ण उत्साह के साथ समाप्त हुआ। लेकिन जिस तरह का संदेश प्रमुख मीडिया रणनीति का उपयोग करते हुए कैम्पेन ने पहुंचाया, उसने वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर कार्रवाई करने के तरीकों पर जागरूकता पैदा करके नागरिकों के बीच पुनर्विचार और सक्रिय भागीदारी बनाने की एक नई शुरुआत की है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया